1. कवि किसे "भू का भार" मानते हैं?
   A. जो परिश्रमी है
   B. जो स्वदेश-प्रेमी है
   C. जिस पर दूसरों का दुःख देखकर दया नहीं आती
   D. जो साहसी है (C)

व्याख्या : कविता में कहा गया है कि जिस व्यक्ति को दूसरों के दुःख से कोई संवेदना नहीं होती, वह धरती पर भार के समान है।

2. कवि के अनुसार निश्चित सत्य क्या है?
   A. मनुष्य अमर है
   B. मनुष्य को एक दिन मरना है
   C. मनुष्य सदा धनवान रहता है
   D. मनुष्य सदा विजयी रहता है (B)

व्याख्या : कविता में स्पष्ट किया गया है कि मनुष्य की जान एक दिन अवश्य जानी है, यही निश्चित सत्य है।

3. कवि "काल-दीप" किसे कहते हैं?
   A. दीपक
   B. सूर्य
   C. मृत्यु का शाश्वत सत्य
   D. वीर सैनिक (C)

व्याख्या : "काल-दीप" मृत्यु के उस अटल सत्य को दर्शाता है जो निरंतर जलता रहता है।

4. कवि के अनुसार परवानों का भाग्य क्या है?
   A. दीपक को सजाना
   B. दीपक की लौ में जल जाना
   C. अंधकार फैलाना
   D. संसार जीतना (B)

व्याख्या : कविता में कहा गया है कि परवानों को दीपक की लौ में जल जाना ही होता है।

5. कवि ने किसके प्रति जिम्मेदारी निभाने की बात की है?
   A. माता-पिता
   B. परिवार
   C. मातृभूमि/स्वदेश
   D. मित्र (C)

व्याख्या : कविता का संदेश मातृभूमि के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी निभाने पर केंद्रित है।

6. कवि के अनुसार हम किसके राजा-रानी हैं?
   A. अपने घर के
   B. अपने परिवार के
   C. अपने स्वदेश के
   D. अपने नगर के (C)

व्याख्या : कविता में कहा गया है कि हम अपने स्वदेश के राजा-रानी हैं।

7. किसकी मिट्टी में हम उगे-बढ़े हैं?
   A. परदेश की
   B. स्वदेश की
   C. जंगल की
   D. नगर की (B)

व्याख्या : कविता में बताया गया है कि हम अपने स्वदेश की मिट्टी में उगे-बढ़े हैं।

8. कवि के अनुसार किसने खजाने खोले हैं और नव रत्न दिए हैं?
   A. राजा ने
   B. स्वदेश ने
   C. सैनिकों ने
   D. व्यापारियों ने (B)

व्याख्या : कविता में स्वदेश को वह बताया गया है जिसने खजाने खोले और अनमोल रत्न दिए।

9. किस पर ज्ञानी भी मरते हैं और दुनिया दीवानी है?.
   A. धन पर
   B. शक्ति पर
   C. स्वदेश पर
   D. सोने पर (C)

व्याख्या : कविता में कहा गया है कि स्वदेश पर ज्ञानी भी मरते हैं और दुनिया दीवानी है।

10. कवि के अनुसार सब कुछ किसके हाथों में है?
    A. भाग्य के
    B. ईश्वर के
    C. अपने हाथों में
    D. राजा के (C)

व्याख्या : कविता में कहा गया है कि सब कुछ अपने हाथों में है, अर्थात मनुष्य स्वयं अपने कर्मों का जिम्मेदार है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App